5 जून विश्व पर्यावरण दिवस

इस वर्ष विश्व पर्यावरण दिवस का संदेश है– प्लास्टिक विहीन दुनिया। इस संदेश को अधिक से अधिक लोगों तक पहुँचाने के लिए एन के सी पी एल द्वारा कपड़े की 'कैरी बैग' वितरित की गई।

पर्यावरण संदेश के साथ RMM हेड महुआ गुप्ता एवं सिनियर मैनेजर वरूण कुमार को कैरी बैग समर्पित करते चित्र 1 में दिलराज सिंह तथा चित्र 2 में राकेश सिंह, सुकान्त बारिक और राजीव सक्सेना।

चित्र 3: सिनीयर मैनेजर CSD संगीता मिश्रा को कैरी बैग के बहाने पर्यावरण संदेश देते दिलराज सिंह और राजन सिंह।

चित्र 4: सेन्ट्रल हब में कर्मियों को कैरी बैग देते देवाशीष आचार्जी, दिलराज सिंह और राजन सिंह।

पहल : इस तिमाही की सृजन सुविधाएं

चित्र:1– लोडर में 'रियर व्यू कैमरे की सुविधा। चित्र:2– C/HUB में ब्रांच हेड द्वारा वॉकी–टॉकी का वितरण। चित्र:3– इनक्लिनोमीटर–लोडर ऑपरेटरों को असुरक्षित ढलान की त्वरित सूचना देने वाला उपकरण। चित्र:4– बसों में सुरक्षा संदेश देते पोस्टर्स तथा पट्टिकाएं।

सुरक्षा सक्रियता

MM	LW	2-WC	TBM	NV	SW
4	9	0	3	5	0

नाईट विजिट

सेन्ट्रल हब में नाईट विजिट के दौरान देवाशीष अधिकारी तथा देवाशीश अचार्जी कर्मियों को निर्देश देते हुए।

मंथन

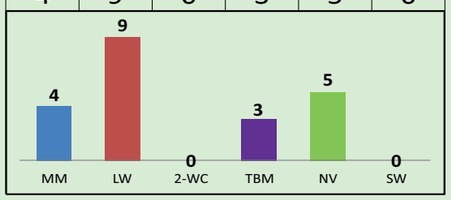

" जब तक हम कुदरत के साथ थे, हम खुश थे उसे हराने की होड़ में हम पराजित हो गए।"

— संजीव सक्सेना

कन्सेप्ट : संजीव सक्सेना
परामर्श : दिलराज सिंह, तिलक भट्टाचार्य।
संपादक : पाण्डेय सुरेश दत्त 'प्रणय'
संपादन सहयोग : श्रीनिवास नायक, अर्जुन शर्मा, सुजय बनर्जी, राजन सिंह, महावीर झा।

यह सूचना पत्र **नरेश कुमार एंड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड** के सौजन्य से अपने कर्मचारियों में निःशुल्क वितरण के लिए प्रकाशित है।

अंक 5: अप्रैल-जून 2018 सुरक्षा की नई चेतना जागृत करने की पहल प्रकाशन : जुलाई, 2018

सुरक्षा सर्वोपरि

नीतिगत

रेल मॉडल वेंडर ट्रॉफी 2018 घाटोटांड़, बोकारो

शपथ

मैं **आइएसओ** और **ओहसास** प्रमाणपत्र धारक **नरेश कुमार एण्ड कंपनी प्राइवेट लिमिटेड** परिवार का एक सदस्य शपथ लेता हूँ कि प्लान्ट–गेट में प्रवेश करने से लेकर बाहर निकलने तक व्यक्तिगत सुरक्षा के सभी साधन धारण करके रहूँगा और ऐसा कोई कार्य नहीं करूँगा जिससे दुर्घटना हो तथा मुझे या कंपनी को हानि पहुँचे। मैं अपने कार्यस्थल को स्वच्छ रखूँगा। मैं अपना तथा अपने परिवार और कंपनी के हित का हमेशा ध्यान रखूँगा।

मैं यह भी प्रतिज्ञा करता हूँ कि सीएसएमएस के अन्तर्गत अपनी कंपनी के लिए **फाइव – स्टार रेटिंग** हासिल करके रहूंगा।

वातायन

अर्से से लिख रहे हैं हम
पर्यावरण पे किताब,

जंगल में कट रहे हैं, दरख्त
बेहिसाब

यूं ही अगर हालात रही इस
जहान की

आनेवाली पीढ़ी को क्या देंगे
हम–जवाब ?

शुभ कामना!

प्रिय सहकर्मियों!

आप लोगों ने जिस तरह से विगत वर्षों में सुरक्षा के प्रति सजगता का परिचय दिया है उसमें इस तिमाही आप की गंभीरता एवं प्रतिबद्धता में कुछ कमी नज़र आयी है।

हमें हमेशा हर जगह यह ध्यान रखना चाहिए कि "शून्य दुर्घटना" का लक्ष्य हासिल करना हमारा पहला और सर्वोपरि उद्देश्य है।

आप से पुनः विनम्र निवेदन है कि एनकेसीपीएल परिवार का प्रत्येक सदस्य सुरक्षा के प्रति अपनी जिम्मेदारी गंभीरता से निभाए।

– संजीव सक्सेना
ब्रांच–हेड, जमशेदपुर प्रशाखा

नैतिक जिम्मेदारी

कार्य स्थल पर सुरक्षा को लेकर अक्सर हमें दुविधा का सामना करना पड़ता है। असुरक्षित अभ्यास या स्थितिओं को देखते हुए भी हम यह सोचते है कि "इसे ठीक करना मेरा काम नही है।" हो सकता है कि यह सही हो, लेकिन हमारी यही सोच किसी बड़े हादसे का कारण बन सकती है। असुरक्षित अभ्यास या स्थिति दिखें तो तुरत इसकी सूचना संबंधित व्यक्ति या विभाग को दें। यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है।

– देवाशीष अधिकारी
जी.एम.फाइनान्स एडं अकाउन्ट

"नीतिगत" का महत्व

त्वरित संचार और नेटवर्क की गति से स्पंदित होते इस समय ने हमारे लिए जो स्पेस रचा है, उसमें फासले कम हुए हैं, लेकिल दूरियाँ बढ़ी हैं।

कई बार इन दूरियों की वजह से हम अनजाने में ही वस्तुस्थिति का आकलन किए बगैर अपनी सोच तथा व्यवहार विपरीत दिशा में मोड़ लेते हैं। यह असुरक्षित परिवेश को जन्म देता है।

परस्पर की दूरियां कम करने का ज़रिया है–संवाद और संवाद कायम करने के लिए जिस माध्यम की जरूरत होती है, वह कोई "सूचना–पत्र ही हो सकती है" जैसे कि – **"नीतिगत"।**

–संपादकीय

प्रकृति के साथ चलें, पर्यावरण-मित्र बनें

पर्यावरण आज एक बड़ा सवाल लेकर हमारे सामने खड़ा है। यह हमारी "समग्र–सुरक्षा" का एक अहम और अभिन्न मुद्दा बन चुका है। इनसे जुड़े कुछ प्रश्न लेकर मैने "ब्रांच–हेड" की राय जाननी चाही। प्रस्तुत है उनके विचार।

– संपादक

☐ पर्यावरण आज एक बड़ा सवाल कैसे हो गया ?

क्योंकि हम सभी जीवों से खुद को ज्यादा चतुर और संवेदनशील समझते आये है लेकिन हमने जिसे तरक्की समझा उसमें प्रकृति को शामिल नहीं किया ।

☐ प्रकृति को शामिल न करने से आपका क्या मतलब है ?

मतलब यह कि तरक्की करना, जीवन–स्तर का विकास करना सबका हक है, लेकिन प्रकृति को नष्ट करके हम खुश नहीं रह सकते। वे जो जंगलों–पहाड़ों पर रहते हैं, जिन्होंने शहर नहीं देखा है, वे आज भी प्रकृति को संभाले हुए हैं। शहर बनाने के लिए हमने हजारों जलाशय भर दिये और लाखों पेड़ काट डाले।

जब तक हम कुदरत के साथ थे, हम खुश थे, उसे हराने की होड़ में हम पराजित हो गए ।

☐ तो फिर शहरों के निर्माण कैसे हों? कल–कारखाने कैसे लगें ?

शहर बनें, उद्योग लगें, लेकिन जितने पेड़ काटे जांए उनसे दुगने लगाए जायें। पिछले सौ वर्षो में विकास की जो अवधारणा बनी, उसमें पर्यावरण को नज़रअन्दाज किया गया। नदियां प्रदूषित होती गई, हम किनारे खड़े उन्हें पूजते रहे। उनकी आत्मा कराहती रही और हम आरती उतारते रहे। जो हमारे लिए जीवन दायिनी है हम उसकी मौत का ज़श्न मनाते रहे हैं।

☐ इस विशम परिस्थिति में अब हमें क्या करना होगा?

पर्यावरण के प्रति हमें अपनी भूमिका तय करनी होगी। प्रदूषण पर कठोर नियंत्रण के साथ–साथ हमें हरियाली से प्यार करना होगा। **हर आदमी को नए सिरे से 'पर्यावरण–मित्र' बनाना होगा!**

सुरक्षा के कार्यक्रमों में नेतृत्व की भागीदारी

वीरराजपुर साइट में कई बुनियादी सुविधाएं बहाल की गई हैं। जैसे कि पेयजल, शौचालय, रेस्टरूम, पाथवे, क्रेन ट्रैक, ट्रेलर ट्रैक और लोडिंग प्वाइन्ट की सुविधाएं। ये सुरक्षा की दृष्टि से भी जरूरी थे। मौके पर लाइन वॉक के दौरान ब्रांच हेड संजीव सक्सेना के साथ डायरेक्टर तरूण मानिकतला व्यवस्था को और प्रभावकारी बनाने के निर्देश देते हुए।

लाइन–वाक के अन्य दृश्य

चित्र:1 RMM साइट में ब्रांच हेड के साथ दिलराज सिंह, महाबीर झा और राकेश सिंह कर्मियों से कार्य और सुरक्षा को लेकर निर्देश देते हुए। चित्र:2– में सेन्ट्रल हब में राजन सिंह, मनोज शर्मा, विजेन्द्र कुमार तथा धीरेन गोच्छाइत को निर्देश देते हुए ब्रांच हेड।

मास–मीटिंग

मास–मीटिंग को संबोधित करते हमारे ब्रांच हेड के साथ चित्र 1 में RMM के पदाधिकारी श्री शशि कुमार, श्री जगजीत सिंह एवं श्री संतोष पाण्डेय। चित्र 2 में C/HUB के पदाधिकारी श्री विश्वजीत पटनायक एवं जयशंकर सिंह के साथ हमारे पदाधिकारी देवाशीष अधिकारी, दिलराज सिंह, राजन सिंह एवं ब्रांच हेड।

घाटोटांड़–कर्मियों को बधाई!

टाटा स्टील के घाटोटांड़ (वेस्ट बोकारो) स्थित हमारे कार्यस्थल में कुशलतापूर्वक कार्य संचालन–प्रबंधन के साथ सुरक्षा मानकों के अनुपालन के लिए एन के सी पी एल को 'बेस्ट वेंडर 2018' के अवार्ड से नवाजा गया। इस सम्मान की उपलब्धि पर हमारे ब्रांच हेड संजीव सक्सेना ने बधाई प्रेषित की है।

चित्र में गौरव का प्रतीक 'अवार्ड' एवं अवार्ड समारोह में टाटा स्टील के चीफ ऑफ ऑपरेशन (घाटोटांड़) श्री साहिबजी कचरू से अवार्ड ग्रहण करते वाइस प्रेसिडंट श्री बाप्पादित्य बनर्जी, पी. के. हलधर, कुर्बान अली अंसारी तथा टीम के अन्य सदस्य।